श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान
का उद्‌बोधन

दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह

दिनांक 25.01.2020 **समय प्रात 10 .30 बजे**

स्थान – भगवत सिंह मेहता सभागार, जे.एल.एन.मार्ग, जयपुर।

भारत के संविधान निर्माताओं द्वारा सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था की परिकल्पना को साकार करने के लिए संविधान में एक स्वतंत्र निकाय के रूप में निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया है। इसी का मूर्तरूप भारत निर्वाचन आयोग के रूप में है, जिसकी स्थापना दिनांक 25 जनवरी, 1950 को की गई। आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सर्वप्रथम वर्ष 2011 में आयोग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह पूरे देश में मनाने का निर्णय लिया था। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य प्रजातांत्रिक प्रक्रिया में जनभागीदारी सुनिश्चित करना था। आयोग द्वारा जनभागीदारी बढ़ाने हेतु एक ओर, पात्र व्यक्तियों के मतदाता सूची में शत प्रतिशत पंजीयन पर विशेष ध्यान दिया जाता है, दूसरी ओर, पंजीकृत मतदाताओं द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रयास किये जाते हैं, जिससे भारतीय प्रजातंत्र उत्तरोतर विकसित हो सके।

भारतीय प्रजातंत्र विश्व का सबसे बड़ा प्रजातंत्र है। चुनाव प्रबंधन यहां के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इस विशाल प्रजातांत्रिक देश के लिए मतदाताओं में साक्षरता का न्यून स्तर तथा सामान्य तौर पर जाग्रति का अभाव भी इस चुनौती को और अधिक बढ़ा देता है।

किसी भी प्रजातंत्र में महिलाओं तथा युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं व महिलाओं की भागीदारी ओर अधिक बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास आवश्यक हैं। मुझे प्रसन्नता है कि इस महान देश के महान लोकतंत्र में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोग पूर्णतया सजग है तथा इसके लिए निरन्तर प्रयासरत है।

विगत वर्षों मे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष योग्यजन पात्र नागरिकों का मतदाता सूचियों में शत प्रतिशत पंजीकरण करने एवं मतदान के समय मतदान केन्द्रों पर **''सुगम मतदान''** के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जिसके फलस्वरूप विशेष योग्यजनों की निर्वाचन प्रक्रिया में बढ़–चढ़कर भागीदारी रही।

राजस्थान राज्य में माह दिसम्बर, 2018 में विधानसभा के आम चुनाव तथा माह अप्रैल–मई, 2019 में लोकसभा के आम चुनाव सम्पन्न हुए। इन चुनावों में, पूर्व में सम्पन्न चुनावों के अनुभवों से सीख कर राज्य में मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाने हेतु विशेष प्रयास किये गये।

मतदाताओं को उनके कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। मतदाताओं को मतदान हेतु मतदान केन्द्र तक आने के लिए प्रेरित करने हेतु न केवल मतदान केन्द्रों पर आधारभूत आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाये, अपितु व्यवस्थित 'स्वीप' (Systematic Voter Education for Electoral Participation) कार्यक्रम भी चलाया जाये। स्वीप कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये, ताकि आम जन की भागीदारी बढ सके। इस वर्ष सम्पन्न लोकसभा आम चुनाव के दौरान गत लोकसभा आम चुनाव की तुलना में मतदाताओं की उत्साहजनक भागीदारी इस रूप में और भी विशिष्ट रही है।

महिला मतदाताओं द्वारा लोकसभा आम चुनाव, 2014 में जहॉ 61.23 प्रतिशत मतदान किया गया, वहीं 2019 लोकसभा आम चुनाव के दौरान 4.32 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल 65.55 प्रतिशत महिला मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया। सभी ओर से किये गये प्रयासों के फलस्वरूप सम्पन्न लोकसभा आम चुनाव के दौरान राज्य में 66.07 प्रतिशत मतआताओं द्वारा मतदान किया गया जो कि गत लोकसभा आम चुनाव 2014 की तुलना में 3 प्रतिशत अधिक रहा।

मजबूत प्रजातंत्र के लिए सभी पात्र व्यक्तियों का शत प्रतिशत पंजीयन आवश्यक है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि मतदाता सूचियां शुद्ध व त्रुटि रहित हों। मतदाता सूचियों को शुद्ध एवं त्रुटि रहित करने के लिए प्रयास किये जायें।

मुझे बताया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर देश के अन्य राज्यों की भॉति राजस्थान में भी

1 सितम्बर, 2019 से 31 अक्टूबर, 2019 के मध्य **"मतदाता सत्यापन कार्यक्रम"** आयोजित किया जाकर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूचियों में पंजीकृत शत प्रतिशत मतदाताओं का घर–घर जाकर सत्यापन किया गया। मतदाता सूचियों में पायी गयी त्रुटियों को ठीक कर त्रुटि रहित बनाने का सराहनीय कार्य किया गया है। इसके लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ–साथ इस कार्य से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। हमें यह याद रखना है कि शुद्ध एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची सुदृढ़ लोकतांत्रिक प्रकिया का आधार है।

भारतीय लोकतंत्र के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन एक गौरवपूर्ण क्षण है। लोकतांत्रिक परम्पराओं को सुदृढ़ बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा न केवल व्यापक सहभागिता विकसित करने अपितु सदैव जागरूक, निष्पक्ष व नीतिपूर्ण मतदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इस बार के मतदाता दिवस का ध्येय देश में निर्वाचन प्रक्रिया में नागरिकों की व्यापक सहभागिता विकसित करने

हेतु **''मजबूत लोकतन्त्र के लिए मतदाता शिक्षा'' (Electoral Literacy for Stronger Democracy)** रखा गया है। इसके लिए पूर्ण प्रयास किये जाने अपेक्षित हैं। मुझे बताया गया है कि राज्य के शत–प्रतिशत नागरिकों की निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न स्तरों पर ''मतदाता साक्षरता क्लबों'' का गठन कर गतिविधियाँ आयोजित कि जा रही हैं।

मैं, राज्य के सभी उच्चतर शैक्षणिक संस्थान जिसमें सभी विश्वविद्यालय, तकनीकी विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज सम्मिलित हैं, का आह्वान करता हूं, कि शहरी मतदाताओं में निर्वाचन के प्रति अभी भी जो कुछ निष्क्रियता है, उसे दूर करनें के लिए अपने संस्थानों में ''साक्षरता क्लबों'' का गठन कर इनकी नियमित बैठक आयोजित करें।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के इस अवसर पर मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियों यथा मतदाता जागरूकता प्रदर्शनी, कॉलेज व स्कूल के बच्चों के द्वारा रैलियों एवं नये मतदाताओं का सम्मान किया जाना एक

सराहनीय कदम है। राज्य, जिलों तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर आयोजित गतिविधियों के साथ–साथ राज्य के 52,002 मतदान केन्द्रों पर भी समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें मतदाता यह शपथ ले रहे हैं कि वे भारत के नागरिक के रूप में लोकतांत्रिक परम्पराओं को अक्षुण बनाये रखने के लिए प्रत्येक चुनाव में निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस प्रकार का आयोजन, सभी में विशेषकर युवाओं में यह गौरवानुभूति विकसित करेगा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर वे राष्ट्र निर्माण में अपना उत्कृष्ट योगदान दे सकेंगे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस लोगों में यह भावना विकसित करने का अनुपम प्रयास है कि जब तक एक भी पात्र व्यक्ति इस प्रक्रिया से दूर है, तब तक यह लोकतंत्र अपने सम्पूर्ण रूप को प्राप्त नहीं कर सकता । निश्चित ही आयोग का संदेश बड़ा स्पष्ट है कि वे तब तक नहीं रूकेंगे जब तक

कि एक भी अंतिम पात्र व्यक्ति मतदान की प्रक्रिया से जुड़ नहीं जाता।

दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मैं सभी मतदाताओं विशेषकर नवपंजीकृत मतदाताओं को शुभकामनाऐं देता हूँ कि आप सभी देश में लोकतंत्र को सुदृढ करने में अपनी भागीदारी निभाऐं। मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि लोकतंत्र की वास्तविक संकल्पना को साकार करें। लोकतंत्र का उत्सव बिना सभी की भागीदारी के सफल नहीं हो सकता। मैं सभी राजनैतिक दलों, सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट जगत तथा मीडिया से भी इस पुनीत कार्य में अपना हर सम्भव सहयोग देने की अपेक्षा करता हूँ। धन्यवाद। जय हिन्द।